सुविचार

शब्द मुफ्त में मिलते हैं, यह उनके चयन पर निर्भर करता है कि उनकी कीमत मिलेगी या चुकानी पड़ेगी।

दैनिक पंचकूला ऑब्जर्वर

सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 81 | पंचकूला। सोमवार, 27 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

दिल्ली में टेकऑफ के दौरान स्विस प्लेन का इंजन फेल, आग लगी

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। दिल्ली एयरपोर्ट में टेकऑफ के दौरान स्विस प्लेन का इंजन फेल हो गया। स्विस एयरलाइंस की एलएक्स147 फ्लाइट शनिवार देर रात 1.08 बजे टेकऑफ करने वाली थी। तभी उसका एक इंजन फेल हो गया और उसमें आग लग गई। इसके बाद पायलट ने तुरंत विमान रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि रनवे पर इमरजेंसी स्लाइड का इस्तेमाल करके सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया। 6 यात्री घायल हो गए। फ्लाइट स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख जाने वाली थी। स्विस एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि हमें दिल्ली में फ्लाइट एलएक्स 147 से जुड़ी घटना के बारे में जानकारी मिली है। जिस विमान में खराबी आई, वह एयरबस 330 है। घटना भारतीय समय के अनुसार रात 1 बजे के बाद की है। जैसे ही विमान टेकऑफ करने के लिए रनवे में आया। विमान के बाईं ओर लैंडिंग गियर से धुआं निकलता देखा गया। इसके बाद तुरंत फ्लाइट को रोक दिया गया। एयरलाइन ने कहा कि हमारी स्थानीय टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों की देखभाल कर रही हैं।

एक दिन में 51.8 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का वितरण

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तरफ से रविवार को जारी अपडेट के अनुसार, शनिवार को 51.8 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए। कहा गया कि खुदरा वितरकों पर कुकिंग गैस की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और किसी भी तरह की कमी की सूचना नहीं मिली है। इसके अलावा, इस वर्ष मार्च से अब तक 5.45 लाख पीएनजी कनेक्शनों को गैसीफाइड किया गया है और अतिरिक्त 2.62 लाख कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है। बयान में कहा गया है कि 42,500 से अधिक पीएनजी उपभोक्ताओं ने वेबसाइट के माध्यम से अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं।

एचसीएस की प्रारंभिक परीक्षा सम्पन्न

पंचकूला। हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित हरियाणा सिविल सर्विस (एचसीएस) की प्रारंभिक परीक्षा रविवार को जिला में सभी 43 केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं नकलरहित सम्पन्न हुई। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा के निर्देशानुसार सभी परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे सहित व्यापक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे।एचसीएस परीक्षा दो शिफ्टों में आयोजित हुई। प्रात- कालीन सत्र में 11,449 अभ्यर्थियों के लिए व्यवस्था की गई थी, जिसमे से 6180 अभ्यर्थियों ने ही परीक्षा दी जबकि 5269 अभ्यर्थी गैर हाजिर रहे। इस तरह प्रथम सत्र में 53.97 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इसी प्रकार सायं के सत्र में भी 11,449 अभ्यर्थियों के लिए व्यवस्था की गई थी, लेकिन इनमें से 6100 अभ्यर्थियों ने ही परीक्षा दी जबकि 5349 अभ्यर्थी गैर हाजिर रहे। इस तरह सायं के सत्र में 53.27 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। उपायुक्त ने बताया कि इस परीक्षा के लिए 43 सेंटर बनाए गए थे।

वॉशिंगटन में डिनर के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प, जेडी वेंस के सामने ताबड़तोड़ फायरिंग, हमलावर काबू

ट्रंप बोले- अमेरिका के संविधान पर हमला हुआ, सीक्रेट सर्विस ने मेरी जान बचाई

पंचकूला ऑब्जर्वर

वाशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में सालाना व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट डिनर के दौरान फायरिंग हो गई। शनिवार शाम के इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, पत्नी मेलानिया और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बड़े अफसर मौजूद थे।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक हमलावर ने होटल के बॉलरूम के बाहर फायरिंग की। ट्रम्प और गेस्ट बॉलरूम के अंदर थे। ट्रम्प ने बताया कि हमलावर को पकड़ लिया गया है। पहले खबर आई थी कि हमलावर को मार गिराया गया।

हमले के करीब डेढ़ घंटे बाद ट्रम्प ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा- अमेरिका के संविधान पर हमला हुआ। सीक्रेट सर्विस ने मेरी जान बचाई। सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी से काम किया। जिस अफसर को गोली लगी, वह सुरक्षित है। उसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी थी। हमलावर के पास पावरफुल गन थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर की पहचान 31 साल के कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। वह अमेरिका के कैलिफोर्निया का है। पब्लिक रिकॉर्ड्स के अनुसार, एलन पार्ट-टाइम टीचर और वीडियो गेम डेवलपर था। उसकी प्रोफाइल के मुताबिक, वह दिसंबर 2024 में 'टीचर ऑफ द मंथ' चुना गया था। उसने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनोलॉजी से 2017 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया। पिछले साल कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी डोमिंगुएज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स डिग्री हासिल की थी।

पुलिस विभाग के अंतरिम चीफ जेफरी कैरोल के मुताबिक, हमलावर उसी होटल में मेहमान था, जहां व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट का डिनर कार्यक्रम हो रहा था। जिस कमरे में वह ठहरा था, पुलिस उसकी भी जांच कर रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर के पास एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू थे। वॉशिंगटन डीसी की मेयर ने बताया कि हमलावर का अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अमेरिकी अटॉर्नी ने बताया कि हमलावर पर दो आरोप लगे हैं। पहला, हिंसक अपराध के दौरान हथियार इस्तेमाल करना। दूसरा, खतरनाक हथियार से फेडरल अधिकारियों पर हमला करना। हमलावर को सोमवार को फेडरल अदालत में पेश किया जाएगा।

इधर, यूरोपीय नेताओं ने की निंदा, मैक्रों बोले- राजनीति में हिंसा की जगह नहीं

पेरिस। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की डिनर पार्टी में हुई फायरिंग को लेकर यूरोपीय देशों के नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हमले की कड़ी निंदा की और अमेरिकी प्रेसिडेंट के लिए अपना समर्थन जताया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कल रात (अमेरिकी समयानुसार) अमेरिका के राष्ट्रपति को निशाना बनाकर किया गया हथियारबंद हमला मंजूर नहीं है। लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। मैं डोनाल्ड ट्रंप को अपना पूरा समर्थन देता हूं।

यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने घटना को बहुत परेशान करने वाला बताया और एक्स पर लिखा कि पब्लिक लाइफ में राजनीतिक हिंसा की कोई जगह नहीं है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि वह कल रात की घटना से हैरान हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं या प्रेस की आजादी पर किसी भी हमले की कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

टोपियरी पार्क में फिर से कुत्तों का हमला, महिला को बुरी तरह काटा

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। सेक्टर-6 स्थित टोपियरी पार्क में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। एक 62 वर्षीय सुमति महिला पर 4 से 5 आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद पार्क में सुबह की सैर करने वाले लोगों में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, सेक्टर-7 निवासी सुमति सोनधी (62 वर्ष) मंगलवार सुबह करीब 7.30 बजे सेक्टर-6 के टोपियरी पार्क में जॉगिंग कर रही थीं। इसी दौरान अचानक 4 से 5 आवारा कुत्तों ने उन पर हमला कर दिया और उनके पैर पर कई जगह काट लिया। मौके पर मौजूद अन्य मॉर्निंग वॉकर्स ने उन्हें बचाया और तुरंत उपचार के लिए सेक्टर-6 सामान्य अस्पताल पहुंचाया।

एक महीने पहले किया हमला : बताया जा रहा है कि यह पहली घटना नहीं है। पीड़ित महिला ने बताया कि इससे पहले भी 1 मार्च 2026 को इसी पार्क में कुत्तों ने उन्हें काट लिया था, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल जाना पड़ा था। उस समय कुछ जरूरी इंजेक्शन उपलब्ध न होने के कारण उन्हें आगे के उपचार के लिए चंडीगढ़ के सेक्टर-16 अस्पताल भी जाना पड़ा था।

पंचकूला में सुविधा नहीं : महिला ने आरोप लगाया कि इस बार भी उन्हें दोबारा इलाज के लिए चंडीगढ़ भेजने की सलाह दी गई। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पंचकूला के सामान्य अस्पताल में डॉग बाइट के घाव साफ करने के लिए उचित वॉशरूम और पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि टोपियरी पार्क में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

मॉर्निंग वॉकर्स के लिए खतरा बढ़ा

आवारा कुत्तों की वजह से मॉर्निंग वॉकर्स, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। लोगों ने बताया कि कई शिकायतों के बावजूद नगर निगम की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि पार्क में आवारा कुत्तों की समस्या का जल्द समाधान किया जाए ताकि लोग बिना डर के सार्वजनिक पार्कों का उपयोग कर सकें।

भाजपा महापौर प्रत्याशी के समर्थन में 3 मई को होगी सर्व समाज की विशेष बैठक

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। 26 अप्रैल दिन रविवार को प्रातः 8 बजे नगर निगम चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण बैठक रखी गई। बैठक मे हरियाणा के पूर्व विधान सभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता जी, पंचकुला के पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल जी, बाऊ बृज लाल गर्ग जी, प्रसिद्ध समाजसेवी अमित जिंदल सहित उपस्थित पंचकुला के प्रसिद्ध समाजसेवियों द्वारा यह निर्णय लिया गया कि पंचकुला से भाजपा महापौर प्रत्याशी श्री श्याम लाल बंसल जी को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए 3 मई दिन रविवार को पंचकुला सैक्टर 16 अग्रवाल भवन मे शाम 7 बजे समस्त समाज की विशेष बैठक मे जायेगी। जिसमें हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी व हरियाणा सरकार के केबिनेट मंत्री विपुल गोयल सहित समाज के अन्य समाजसेवी उपस्थित रहेंगे।

बैठक मे पंचकुला अग्रवाल समाज के द्वारा उपस्थित सभी गणमान्यों से आग्रह किया गया की पंचकुला नगर निगम चुनाव मे भाजपा पार्टी के लोकप्रिय महापौर प्रत्याशी श्री श्याम लाल बंसल जी को भारी मतों से विजई बनाने के लिए 3 मई दिन रविवार होने वाली बैठक मे हर समाज के व्यक्ति को ज्यादा से ज्यादा आमंत्रित कर बैठक को सफल बनाने मे अपना अहम योगदान प्रदान करें।

बैठक समाप्ति उपरांत सभी अतिथियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है।

भारत हितैषी के चुनाव कार्यालय का शुभारंभ, बोले स्वयंभू बाहुबली से डरेंगे नहीं, लड़ेंगे और जीतेंगे

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। वार्ड नंबर-4 सेक्टर 10 में भाजपा प्रत्याशी भारत हितैषी ने चुनावी शंखनाद कर दिया। चुनाव कार्यालय का शुभारंभ रविवार को किया गया। हवन यज्ञ के बाद सेक्टर-10 भारत माता के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर भाजपा के मेयर प्रत्याशी श्याम लाल बंसल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, हरियाणा फार्मेसी काउंसिल के चेयरमैन बीबी सिंगल, पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल, जिला प्रधान अजय मित्तल, मंडल प्रधान प्रमोद कौशिक, वरिष्ठ नेता संजय आहूजा, युवा नेता रवीश गौतम, जिला उपाध्यक्ष युवराज कौशिक, मीडिया प्रभारी चंदन मिश्र, राजेश शर्मा, मुंशीराम अरो?ा, लीलाधर सचदेवा सहित अन्य उपस्थित रहे। सभी लोगों ने एक साथ भारत हितैषी को जीताने का प्रण लिया। सभी नेताओं ने कहा कि यह चुनाव राष्ट्रवादियों एवं अवसरवादियों के बीच है। राष्ट्रवादी हमेशा जीतता है।

इस अवसर पर भारत हितैषी ने कहा कि पिछले 35 वर्षो से जनता के बीच हूं। चुनाव एक राजनीतिक संघर्ष है, लेकिन किसी के बारे में अपशब्द बोलकर चुनाव नहीं जीते जाते। दो दिन पहले हमारे वार्ड के पूर्व पार्षद एवं उनके पति द्वारा एक कार्यक्रम में मेरे और मेरे परिवार के बारे में बहुत ही घटिया बातें कही गई। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को टारगेट किया गया। भाजपा के बारे में भी बहुत कटाक्ष किया गया, लेकिन मैं उन्हें बता दूं कि भाजपा एक विचारधारा है। वह हर चीज सोच-समझकर तय करती है। मैं एक साधारण व्यक्ति हूं। मेरा कोई राजनीति गुरु नहीं था, लेकिन फिर भी पार्टी ने इतने ब? वार्ड से एक साधारण बूथ अध्यक्ष को टिकट देने का फैसला किया, तो यही भाजपा की असली ताकत है कि वह एक आम कार्यकर्ता को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकती है, उसे देश का प्रधानमंत्री बना सकती है, तो क्या एक कार्यकर्ता को पार्षद नहीं बना सकती। जो आज भाजपा को कोस रहे हैं, उनका इतिहास पूरा पंचकूला जानता है। भारत हितैषी ने कहा कि कुछ नेता पहले कांग्रेस फिर, इनेलो, फिर कहीं और तो ऐसे लोगों का कोई स्टैंड नहीं होता। यह किसी पार्टी या जनता के नहीं होते।

हमेशा अपने पिता के साथ खड़ी रही...

भारत हितैषी की बेटी सुमन हितैषी ने कहा कि आज मैं पहली बार किसी राजनीतिक मंच पर खड़ी हूं। यहां आना मेरा कोई शौक नहीं है, बल्कि परिस्थितियों ने मुझे मजबूर किया है। जब मेरे और मेरे पिता को निशाना बनाया गया, तब मुझे लगा कि अब चुप रहना ठीक नहीं। मैं हमेशा अपने पिता के साथ खड़ी रही हूं। हजारों कार्यक्रमों में उनके साथ गई हूं, लेकिन आज से पहले कभी मंच से बोलने की जरूरत नहीं पड़ी। लेकिन जब एक साधारण कार्यकर्ता को टिकट मिला, तो कुछ स्वयंभू बाहुबलियों को परेशानी होने लगी। वे हमें डराने और धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं उनसे पूछना चाहती हूं–क्या बेटियां किसी का परिवार नहीं होतीं? यहां इतनी बड़ी संख्या में लोग मौजूद हैं, क्या आपकी बेटियां आपका परिवार नहीं हैं? हर बेटी दो परिवारों का मान और सम्मान होती है। मेरे पिता का बेटा नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि उनका कोई सहारा नहीं है। मैं उनकी बेटी भी हूं और बेटा भी हूं। और मैं आपको विश्वास दिलाती हूं–हम डरने वालों में से नहीं हैं। हमारी विनम्रता को हमारी कमजोरी समझने की भूल मत कीजिए। स्वयंभू बाहुबली ने मेरे पिता के घुटनों में समस्या का भी मंच से मजाक बनाया, बोला कि उससे तो चला भी नहीं जाता। जो लोग हमारे बुजुर्गों के बारे में अपमानजनक बातें करते हैं, उन्हें जनता कभी माफ नहीं करेगी। बुजुर्ग हमारे समाज की जड़ होते हैं, वे वटवृक्ष की तरह हमें छाया देते हैं। उनका अनुभव और आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

इनको सिर्फ और सिर्फ कुर्सी की भूख होती है। जहां कुर्सी नहीं मिली, वहां ही लात मारकर दूसरी जगह हो जाते हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि मेरा परिवार हमेशा जनसंघ और आरएसएस से जु?ा रहा। मैं पार्टी का समर्पित कार्यकर्ता हूं। मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने मुझे स्वयं इंटरव्यू लेकर कई घंटे मंथन के बाद टिकट देकर भेजा है। मैं आपके आर्शीवाद से इस सेक्टर 9 और 10 को आदर्श वार्ड बनाऊंगा। जो विकास कार्यों को करवाने का दावा कर रहे हैं, उनके बारे में पार्टी हाईकमान के पास कई इनपुट थे, इसलिए उनकी टिकट काटी गई। टिकट कटने से पहले पार्टी को ब्लेकमेल करने की कोशिश की गई, लेकिन वह ध्यान रखे कि पार्टी किसी से डरती नहीं , वह संघर्ष करती है और जीतती है।

चेयरमैन बीबी सिंगल ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता कुर्सी के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद के लिए काम करते हैं। जो अवसरवादी होते हैं, वह कुछ दिन के लिए पार्टी में आते हैं और मतलब निकलने के बाद चले जाते हैं। भारत हितैषी को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है, तो पूरा संगठन उनके साथ मिलकर काम करेगा।

वेदर न्यूज़ — पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना

उत्तर भारत में चल रही भीषण लू, आईएमडी का अलर्ट जारी

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। उत्तर भारत इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। देश के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से काफी ऊपर पहुंच गया है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है, और स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शनिवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। वहीं रविवार को भी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना रहा, जिससे लगातार हीटवेव जैसे हालात बने हुए हैं। कई इलाकों में गर्म हवाएं (लू) चलने की भी खबर है, जिसके चलते प्रशासन ने येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में 28 अप्रैल तक गर्मी का यह दौर जारी रह सकता है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं मध्य भारत के मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ क्षेत्र में भी तेज गर्मी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में अब तक का सबसे अधिक है। यहां 32 जिलों में गंभीर हीट अलर्ट जारी किया गया है।

दोपहर 12 से 3 के बीच धूप में निकलने से बचें

मौसम विभाग ने यह भी संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों, खासकर केरल और माहे में भी हीटवेव जैसी स्थिति बन सकती है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए आईएमडी ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। दोपहर 12 से 3 बजे के बीच धूप में निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने की सलाह दी गई है। साथ ही टोपी, छाता और चश्मे का उपयोग करने को कहा गया है। बाहर काम करने वालों को सिर और गर्दन पर गीला कपड़ा रखने की सलाह दी गई है। बच्चों और पालतू जानवरों को खड़ी गाड़ियों में छोड़ने से सख्त मना किया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यही स्थिति जारी रही तो गर्मी और खतरनाक हो सकती है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड के कुछ इलाकों में हीटवेव चलने की संभावना है। आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, ओडिशा और तमिलनाडु में गर्म और उमस भरा मौसम रह सकता है। बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हीटवेव चलेगी। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में गर्म रातें रहने की भी आशंका है।

चार मई के बाद टीएमसी के गुंडों का हिसाब होगा : पीएम

पंचकूला ऑब्जर्वर

आरामबाग, 26 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के लिए होने वाले मतदान से पहले रविवार को आरामबाग में %विजय संकल्प सभा% को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले मैं सिंगूर आया था, उस समय मैंने टीएमसी की निर्मम सरकार के प्रति जनता का गुस्सा साफ-साफ देखा था। आज मैं फिर देख रहा हूं, वो गुस्सा अपने चरम पर पहुंच चुका है, और इस गुस्से में बंगाल का एक ही उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि 15 साल तक तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल के लोगों को लूटा, लेकिन ये लोग एक चीज भूल गए, जब अत्याचार की हद हो जाती है, तो जनता मां दुर्गा का रूप धरकर अन्याय का विसर्जन कर देती है। आज बंगाल के हर बूथ पर उमड़ता जनसैलाब कह रहा है, भय आउट, भरोसा इन। टीएमसी की निर्मम सरकार, नबन्ना सचिवालय से नहीं चलती है। इस सरकार को या तो गुंडे चलाते हैं या फिर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकार हरकत में आती है।

उन्होंने कहा कि मैंने कहा था कि बंगाल में मतदान के सभी पिछले रिकॉर्ड टूट जाएंगे, और बंगाल की जनता ने 23 अप्रैल को इसे सच कर दिखाया। अब आपको 23 अप्रैल को बने रिकॉर्ड को तोड़ना होगा। जनता के मिजाज का अंदाजा न लगा पाने वाले लोग भारी संख्या में मतदाताओं के आने से हैरान हैं। टीएमसी नेता चिंतित हैं क्योंकि उन्होंने इतनी भारी संख्या में मतदान की उम्मीद नहीं की थी।

उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार ने यहां अपने कुकर्मों से बंगाल की जनता का भरोसा खो दिया है, इसलिए लोग आए दिन कोर्ट-कचहरी जाने को मजबूर हैं। शिक्षक भर्ती घोटाला, टीएमसी के मंत्रियों ने भर्ती लूट ली, हजारों युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर दिया। संवेदनशील सरकार होती तो ईमानदारी से जांच करती, लेकिन कोर्ट को इस मामले में जांच के आदेश देने पड़े यानी टीएमसी सरकार की विश्वसनीयता शून्य है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2023 के पंचायत चुनावों के दौरान, जिनका संचालन राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।

वापस ली गई हरभजन सिंह की जेड+ सिक्योरिटी, भाजपा में शामिल होने पर पंजाब सरकार का फैसला

पंचकूला ऑब्जर्वर

जालंधर। पंजाब की राजनीति में इन दिनों भूचाल आया हुआ है। इसी बीच राज्य सरकार ने राज्यसभा सांसद और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह की ' + श्रेणी की सुरक्षा वापस लेने का फैसला किया है। यह कदम उस समय उठाया गया जब हरभजन सिंह ने आम आदमी पार्टी (क्क) छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (क्ष्क्क) का साथ पकड़ लिया। सूत्रों के मुताबिक, पंजाब पुलिस के सुरक्षा कर्मियों को तुरंत वापस बुला लिया गया है। हरभजन सिंह उन सात राज्यसभा सांसदों में शामिल बताए जा रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में पार्टी छोड़ दी। इस समूह में राघव चड्ढा, स्वाति मालीवाल और संदीप पाठक जैसे नाम भी चर्चा में हैं।

कार्यकर्ताओं का विरोध

इन घटनाओं के बाद पंजाब में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं का गुस्सा खुलकर सामने आया। जालंधर और लुधियाना में शनिवार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए गए। प्रदर्शनकारियों ने हरभजन सिंह के घर के बाहर नारेबाजी की और दीवारों पर काले रंग से 'गद्दार' लिखकर अपना विरोध जताया, जालंधर में लोगों ने सांसद अशोक मित्तल के खिलाफ पुतला फूंका और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के बाहर लगे पोस्टरों पर स्याही पोती। कई कार्यकर्ता सिर पर काली पट्टियां बांधकर पहुंचे और जमकर नारे लगाए। पुलिस की मौजूदगी के बावजूद माहौल काफी तनावपूर्ण रहा और कुछ जगहों पर कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कहासुनी भी हुई।शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका

राजनीतिक माहौल गर्म

इन घटनाओं के बाद पंजाब का राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। एक तरफ नेताओं के दल बदलने से सियासी समीकरण बदल रहे हैं, तो दूसरी ओर कार्यकर्ताओं का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। आने वाले दिनों में यह मामला और ज्यादा तूल पकड़ सकता है। वहीं कुछ लोगों ने उनके घर के बाहर गद्दार भी लिखने की कोशिश की। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग स्प्रे पेंट से यह लिखते दिख रहे हैं। मौके पर पुलिस मौजूद थी, लेकिन उन्हें रोकने की ज्यादा कोशिश नहीं दिखी। दूसरी तरफ, आम आदमी पार्टी (क्क) के कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने काली पट्टी बांधकर अपना गुस्सा जताया और पार्टी छोड़कर भाजपा में जाने वाले नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की।

भगवंत मान ने पार्टी छोड़ने वाले नेताओं को 'गद्दार' बताया

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भी इस मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पार्टी छोड़ने वाले नेताओं को फ्गद्दारफ्र बताया और कहा कि उन्होंने न सिर्फ पार्टी, बल्कि पंजाब की जनता के भरोसे को भी तोड़ा है। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह पंजाब में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए दूसरी पार्टियों के नेताओं को तोड़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा डर, लालच और दबाव का इस्तेमाल करके,क्कको कमजोर करने की कोशिश कर रही है।

लुधियाना में भी विरोध तेज़

वहीं लुधियाना में राज्यसभा सांसद राजिंदर गुप्ता के भाजपा में शामिल होने के ऐलान के बाद विरोध और बढ़ गया। किचलू नगर स्थित ट्राइडेंट ग्रुप के दफ्तर के बाहर आम आदमी पार्टी के यूथ विंग ने प्रदर्शन किया। पुतला जलाया गया और दीवारों पर नारे लिखे गए। यूथ विंग के प्रदेश उपाध्यक्ष परमिंदर संधू ने इस पूरे घटनाक्रम को जनता के विश्वास के साथ धोखा बताया। उनका कहना है कि यह दलबदल की राजनीति है, जिससे पंजाब की जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है।

फेरा डालने ससुराल पिहोवा पहुंचे सीएम मान

शादी के 4 साल बाद पहली बार आए, 2 घंटे रुके

पंचकूला ऑब्जर्वर

कुरुक्षेत्र। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान रविवार को पहली बार अपनी ससुराल हरियाणा के पिहोवा पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी गुरप्रीत कौर और दो साल की बेटी नियामत कौर भी आईं। भगवंत मान शादी के 3 साल 9 महीने बाद फेरा डालने के लिए पहुंचे थे। वह अपनी ससुराल में करीब 2 घंटे रुके। इस दौरान उन्होंने लंच भी किया। इसके बाद मान पत्नी के पैतृक गांव मदनपुर चले गए। कुछ समय पहले मान के चाचा ससुर हरपाल सिंह का निधन हो गया था। मान ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए परिवार से मुलाकात की। यहां वह आधा घंटा रुके, फिर चंडीगढ़ रवाना हो गए।

गौरतलब है कि चार साल पहले हुई शादी, दो साल बाद बेटी का जन्म॰ भगवंत मान और डॉ. गुरप्रीत कौर का विवाह 7 जुलाई 2022 को चंडीगढ़ में हुआ था। शादी में दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य करीबी लोग शामिल हुए थे। डॉ. गुरप्रीत कौर मूल रूप से पिहोवा की रहने वाली हैं और पेशे से डॉक्टर हैं। शादी के करीब दो साल बाद, मार्च 2024 में उनके घर बेटी नियामत का जन्म हुआ।

फेरा डालने आए मान॰ पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, सीएम मान रविवार को अपनी ससुराल फेरा डालने पहुंचे थे। इससे पहले वह पिहोवा में चुनावी दौरों पर आ चुके हैं, लेकिन ससुराल पहले कभी नहीं आए। अगस्त 2024 में हुई आप की रैली में भी वह यहां पहुंचे थे। रविवार को उनके आगमन को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस की ओर से कड़े इंतजाम किए। सेंट्रल बैंक वाली गली और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बल तैनात रहा।

युवक ने मान के साथ सेल्फी ली॰ ष्टरूमान जब जाने लगे तो एक युवक ने दूर से उन्हें बोला कि मान साहब एक फोटो लेनी है। इस पर सिक्योरिटी ने उस युवक को रोक लिया, लेकिन मान ने उसे अपने पास बुलाया और उसके साथ सेल्फी ली।

सीएम के आगमन के लिए ही घर का कराया गया रेनोवेशन॰ सीएम मान की पत्नी गुरप्रीत कौर का पैतृक गांव मदनपुर है। हालांकि, परिवार काफी समय पहले पिहोवा में आकर बस गया था। शादी के बाद परिवार चंडीगढ़ में शिफ्ट हो गया, जिससे यह घर लंबे समय से बंद पड़ा था। सीएम के आने का कार्यक्रम तय होने के बाद ही इस घर का रेनोवेशन कराया गया।

24 अप्रैल– शाम 4 बजे राघव चड्ढा ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि,क्कके 10 में से 7 राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़ चुके हैं। इसी दिन शाम को राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने भाजपा जॉइन कर ली। राघव ने कहा कि कुल 7 सांसद उनके साथ हैं। बाकी 4 सांसद सामने नहीं आए। स्वाति मालीवाल ने कहा कि वह इटानगर में हैं और बाद में प्रतिक्रिया देंगी।

25 अप्रैल– सुबह भगवंत मान ने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए 7 सांसदों पर टिप्पणी की, जिससे सियासी माहौल और गरम हो गया।

'आप' ने पंजाब से गद्दारी करने वाले सातों सांसदों की सदस्यता रद्द करने के लिए राज्यसभा के सभापति व उपराष्ट्रपति को भेजी याचिका: संजय सिंह

- कहा–संविधान के विशेषज्ञ भी मान रहे हैं कि ''आप'' को छोड़ भाजपा में विलय करने वाले सभी सांसदों की सदस्यता जानी तय है
- सातों सांसदों ने आम आदमी पार्टी के साथ–साथ पंजाब की जनता, लोकतंत्र और संविधान के साथ भी धोखा किया

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़/नई दिल्ली, 26 अप्रैल। आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लोगों के साथ गद्दारी करके भाजपा में शामिल हुए राघव चड्ढा समेत सभी सांसदों की सदस्यता समाप्त करने के लिए राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति को अपनी याचिका भेज दी है। रविवार को यह जानकारी साझा करते हुए वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने कहा कि संविधान के विशेषज्ञ भी मान रहे हैं कि आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा में विलय करने वाले सभी सांसदों की सदस्यता जानी तय है। सातों सांसदों ने न सिर्फ ''आप'' गद्दारी की है, बल्कि पंजाब के लोगों, लोकतंत्र और संविधान के साथ धोखा किया है। तोड़फोड़ के खेल में भाजपा माहिर है। भाजपा पहले ईडी-सीबीआई से विपक्ष के नेताओं को डराती है और फिर अपनी पार्टी में शामिल कर लेती है।

रविवार को 'आप' मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर संजय सिंह ने कहा कि संविधान के ज्ञाताओं, देश के वरिष्ठ अधिवक्ता और संविधान विशेषज्ञ कपिल सिब्बल, पीडीटी आचार्य समेत तमाम लोगों ने यह साफ कर दिया है कि जिन सात लोगों ने आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा में विलय करने का फैसला लिया है, उन सबकी सदस्यता निश्चित रूप से समाप्त होगी। शनिवार को मीडिया बातचीत में एनडीए के घटक दल से जुड़े सर्वोच्च न्यायालय के एक अधिवक्ता ने भी स्पष्ट कहा कि इन नेताओं की सदस्यता तो हर हाल में जाएगी। संजय सिंह ने आगे कहा कि सभी विशेषज्ञों से बातचीत करके और कपिल सिब्बल की राय लेकर मैंने राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रपति को एक याचिका भेजी है। इस याचिका में अनुरोध किया गया है कि संविधान की 10वीं अनुसूची के नियमों के मुताबिक इन सातों सदस्यों की सदस्यता पूरी तरह से समाप्त की जाए। मैंने उपराष्ट्रपति (सभापति) महोदय से मांग की है कि वे इसकी जल्द से जल्द सुनवाई करें और अपनी ओर से एक न्यायपूर्ण फैसला दें।

संजय सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई इसलिए जरूरी है क्योंकि जब कोई नेता एक पार्टी से चुनकर आता है तो उसके बाद ईडी, सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके उसे तोड़ा जाता है और इस खेल में माहिर भाजपा उसे अपने दल में मिला लेती है, जो पूरी तरह गलत है। यह लोकतंत्र के साथ बड़ा धोखा है। यह पंजाब के लोगों के साथ भी धोखा और गद्दारी है। इसके साथ ही यह देश के संविधान के साथ एक धोखा और उसका खुला मजाक उड़ाने की कार्रवाई है। संजय सिंह ने आगे कहा कि यदि कोई व्यक्ति एक दल से चुना गया है और उसे कोई मतभेद है, तो उसे उस दल से इस्तीफा देना चाहिए और जहां उसकी विचारधारा मिलती हो वहां जाना चाहिए। लेकिन जो लोग उसी पार्टी के विधायकों द्वारा चुने गए हैं, वे आज उसी पार्टी को बुरा-भला कह रहे हैं। इसलिए मुझे पूरी उम्मीद और भरोसा है कि सभापति इस याचिका पर जल्द फैसला देकर इन लोगों की सदस्यता रद्द करेंगे।

पंजाब में लोग गद्दारी करने वालों सांसदों का जबरदस्त विरोध कर रहे

पंजाब के विधायकों के राघव चड्ढा के संपर्क में होने और भाजपा में जाने की अफवाहों पर संजय सिंह ने कहा कि इस प्रकार की झूठी खबरें भाजपा, राघव चड्ढा और बाकी लोगों के द्वारा प्रचारित की जाएंगी। पूरे पंजाब में इन लोगों का विरोध हो रहा है और इनके खिलाफ जनता सड़कों पर उतरकर नारेबाजी कर रही है। पार्टी और पंजाब को धोखा देने के कारण इनके खिलाफ वहां भारी जनभावना है। अभी तो खुद इनकी सदस्यता खत्म होने वाली है तो अपनी सदस्यता खत्म कराने के लिए कौन सा विधायक इनके साथ जाएगा? राजनीति में इतनी समझ तो सब लोग रखते हैं। इसलिए यह केवल एक झूठा प्रचार और भ्रम फैलाने की कोशिश है, इसके अलावा कुछ नहीं है।

पंजाब के विधायकों ने इन्हें संसद में भेजा था, अब वे विधायक इन्हें वापस बुला रहे

राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए समय मांगे जाने के सवाल पर संजय सिंह ने कहा कि राइट टू रिकॉल का एक मामला है जिस पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान राष्ट्रपति से मिलकर अपनी बात रखेंगे और इसके लिए उन्होंने समय मांगा है। जिन विधायकों ने इन सांसदों को चुना था, आज उनके साथ धोखा हुआ है। अब वे विधायक इन लोगों को वापस बुला रहे हैं कि यदि उनसे काम नहीं हो पा रहा है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। पंजाब के मुख्यमंत्री ने इसी विषय पर राष्ट्रपति महोदया से समय मांगा है और जैसे ही समय मिलेगा वे मुलाकात करके अपनी मांग रखेंगे।

एक नजर

सरपंच रणजीत सिंह जज ने किया कोतवाली एसएसओ गुरविंदर सिंह संधू का सम्मान

नाभा 26 अप्रैल। नाभा के गुरू तेग बहादुर नगर के सरपंच और आम आदमी पार्टी के नेता रणजीत सिह जज की और से नाभा कोतवाली के नवनियुक्त एसएचओ गुरविंदर सिंह संधू का कार्यभार सम्भालने पर फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया । इस मौके रणजीत सिंह जज ने कोतवाली प्रभारी को विशवास दिलाया की वो और उनकी पंचायत के सभी सदस्य और नगर वासी पंजाब सरकार की और से चलाई युद्व नशयो विरूध मुहिम में हर तरह से उनको सहियोग करेगे और जो शरारती अन्सरो के खिलाफ उनकी मुहिम है उसमे वो उनके कंधे से कंधा मिलाकर खड़ेगे। इस मौके कोतवाली एसएचओ गुरविंदर सिंह संधू ने रणजीत सिंह जज व समूह सदस्यों का धन्यवाद किया और कहा कि पुलिस हर समय जनता की सेवा के लिए हाजिर है और नाभा हलके में किसी भी शरारती अन्सर और नशा तस्कर को बख्शा नही जाएंगा। इस मौके राजवीर सिंह, निर्मल कुमार आदि मौजूद रहे।

भगवंत मान सरकार की 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' के तहत गंभीर हालत में

बठिंडा, 26 अप्रैल। नवजात की पहली किलकारी राहत लेकर आनी चाहिए, लेकिन कई बार यह सन्नाटा भी लेकर आती है। बठिंडा जिले के रामपुरा फूल स्थित अग्रवाल अस्पताल में एक बच्ची का जन्म हुआ, लेकिन उसके जीवन की जंग अभी शुरू ही हुई थी। सिर्फ 33 सप्ताह में जन्मी रेशम सिंह और गुरमेल कौर की बेटी समय से पहले बेहद नाजुक हालत में इस दुनिया में आई। उसका वजन केवल 1.926 किलोग्राम था, जो सामान्य पूर्णकालिक जन्म वजन (लगभग 2.5 से 4 किलोग्राम) से काफी कम है। जन्म के पहले ही पल से उसे सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। बिना चिकित्सकीय सहायता के सांस लेना संभव नहीं था। ऐसे हालात में समय गंवाने की कोई गुंजाइश नहीं थी। डॉ. सुरिंदर अग्रवाल (एमडी पीडियाट्रिक्स), जिनके पास 24 वर्षों का अनुभव है, ने अपनी टीम के साथ तुरंत उपचार शुरू किया। बच्ची को एनआईसीयू में भर्ती किया गया, जहां मशीनें वह काम कर रही थीं, जो उसके अविकसित फेफड़े नहीं कर पा रहे थे। मॉनिटर पर हर धड़कन और हर सांस पर नजर रखी जा रही थी–हर पल अनिश्चितता और हर पल महत्वपूर्ण था। इसके बाद 17 दिनों तक लगातार देखभाल और सही उपचार जारी रहा। नवजात को 10 दिनों तक कंटीन्यूअस पॉजिटिव एयरवे प्रेशर सहायता दी गई, इसके बाद 4 दिनों तक ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया। इस दौरान बच्ची को पीलिया हो गया, जिसका इलाज फोटोथेरेपी से किया गया। सीमित कंगारू मदर केयर के जरिए सावधानीपूर्वक पोषण दिया गया, ताकि उसकी नाजुक स्थिति प्रभावित हुए बिना उसे गर्माहट और स्थिरता मिल सके। डॉ. अग्रवाल ने कहा, 'एनआईसीयू में सुधार अचानक नहीं आता, यह धीरे-धीरे स्थिर संकेतों के साथ आता है।' धीरे-धीरे सुधार दिखना शुरू हुआ। सांस सामान्य होने लगी। प्रतिक्रियाएं बेहतर हुईं। जो नाजुक शरीर पहले संघर्ष कर रहा था, वह दिन-ब-दिन मजबूत होने लगा।

गैंगस्टरों ते वार का 96वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 557 स्थानों पर छापेमारी; 291 गिरफ्तार

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत चलाए जा रहे 'गैंगस्टरों ते वार' अभियान के 96वें दिन पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टरों के सहयोगियों से जुड़े 557 स्थानों पर छापेमारी की। जिक्रयोग्य है कि यह अभियान 20 जनवरी 2026 को डीजीपी पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य पंजाब को गैंगस्टर मुक्त बनाना है। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए जी टी एफ) के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें लगातार विशेष अभियान चला रही हैं। 96 वें दिन पुलिस की टीमों ने ने 7 हथियारों सहित 291 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 24,280 हो गई है। इसके अलावा 93 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 76 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। पुलिस ने 8 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 पर गुप्त रूप से जानकारी साझा कर अपराध के खिलाफ लड़ाई में सहयोग करें। इसके साथ ही 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के तहत 421वें दिन 95 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6.8 किलोग्राम हेरोइन और 306 नशीली गोलियां/कैप्सूल बरामद किए गए।

पार्टी छोड़ने वाले आप के राज्यसभा सदस्यों का पुतले जलाकर और उन्हें गद्दार कहकर विरोध किया

पंचकूला ऑब्जर्वर

नाभा। आम आदमी पार्टी के विद्यायक और मंत्रियों ने आज अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में अपने पुराने राज्यसभा सदस्यों के खिलाफ उन्हें गद्दार कहकर विरोध किया। जिसके तहत नाभा विधानसभा क्षेत्र में विद्यायक गुरदेव सिंह देव मान और इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन जस्सी सोहिया वाला ने भी पटियाला गेट पर पुतले जलाकर विरोध किया।

रिपोर्टर्स से बात करते हुए विद्यायक देव मान और जस्सी सोहिया वाला ने कहा कि इन राज्यसभा सदस्यों ने पंजाब के लोगों के साथ धोखा किया है। आम आदमी पार्टी ने उन्हें पब्लिक सर्विस के लिए पद दिए थे। उन्होंने पंजाब के लोगों के साथ धोखा किया और ड्ड में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि अब पंजाब में यह बात फैलाई जा रही है कि कई विद्यायक बीजेपी के टच में हैं और कभी भी जा सकते हैं, लेकिन देव मान ने साफ किया कि वह खुद अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान के साथ हैं।

इस मौके पर गुरदीप सिंह टिवाना, तेजिंदर खैरा, उधम दीप सिंह, दीपा रामगढ़, यादविंदर यदु, दविंदर सिंह क्लारा, भूपिंदर सिंह कलरमाजरी, मनप्रीत सिंह धरोनकी, रणजीत सिंह जज, कश्मीर सिंह लालका, जसवीर सिंह वजीदपुर, भूपिंदर कौशल, कृष्ण कुमार, सिमरन अरक चौहान, सुखजिंदर सिंह टोहरा, सतनाम सिंह सत्ती, अवतार सिंह टोहरा, बिल्ला खोख, निर्भय सिंह घुंडर, मनजोत सिंह लधाहेड़ी, गुरविंदर सिंह मनी, सोनू सूद, शैंकी सिंगला, हरसिमरन सिंह साहनी, रकिंदर सिंह, राजी पाठक सरपंच आदि मौजूद थे।

आप नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा 'पंजाब के गद्दारों' के खिलाफ राज्यव्यापी प्रदर्शन, दलबदलू संसद सदस्यों की सदस्यता रद्द करने की मांग

- इन सांसदों ने 3 करोड़ पंजाबियों के साथ किया धोखा, दबाव की राजनीति के आगे झुक कर भाजपा के हाथों बिक गए: हरभजन सिंह ईटीओ
- इन सांसदों ने पंजाब और पार्टी की पीठ में छुरा घोंपा, भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने के लिए एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है: कटारूचक्क

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 26 अप्रैल। आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्यों के विरुद्ध पंजाब के हर ज़िले में ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सड़कें ÷पंजाब के गद्दार÷ के नारों से गूंज उठीं और गुस्से के रूप में दलबदलुओं के घरों की दीवारों पर ÷गद्दार÷ लिखा गया, इसे पंजाब के जनादेश के साथ ऐसा धोखा बताया गया जिसे माफ़ नहीं किया जा सकता। ज़िला हेडक्वार्टर से लेकर औद्योगिक केंद्रों तक, जिसमें ट्राइडेंट ग्रुप के बाहर राजिंदर गुप्ता के खिलाफ़ ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन भी शामिल था, आप नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में आम लोगों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाकर अपना गुस्सा ज़ाहिर किया और उन लोगों की खुलकर निंदा की जिन्होंने कथित तौर पर राजनीतिक फ़ायदे के लिए पंजाबियों के भरोसे को कुचला है।

दलबदल को पंजाब की मिट्टी और आत्म-सम्मान के साथ बड़ा धोखा बताते हुए, आप ने मांग की कि इन सांसदों की राज्यसभा मेंबरशिप तुरंत रद्द की जाए। पार्टी ने स्पष्ट किया कि जो लोग दबाव और मौकापरस्ती की वजह से भाजपा का पक्ष लिया हैं, उन्हें पंजाब के लोग कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने दलबदलुओं की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि राज्यसभा का मतलब संसद में राज्य की आवाज बनना है। इन सदस्यों को पंजाब के मुद्दे उठाने के लिए भेजा गया था, लेकिन अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय वे भाजपा के साथ जा मिले। यह शर्मनाक काम तीन करोड़ पंजाबियों के साथ धोखा है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ने 'ऑपरेशन लोटस' के तहत ईडी और सीबीआई की धमकी देकर इन नेताओं को जबरदस्ती पार्टी में शामिल किया है। मंत्री लाल चंद कटारूचक ने भी इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि यह सांसद आप विधायकों के सहयोग से पंजाब के हितों को प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए थे। पंजाब की आवाज उठाने के बजाय उन्होंने राज्य और पार्टी की पीठ में छुरा घोंपा है। विपक्षी सरकारों को अस्थिर करने के भाजपा के ऐसे हथकंडे सबके सामने हैं।

लहरागागा में विरोध प्रदर्शन के दौरान कैबिनेट मंत्री बरिंदर गोयल ने कहा कि खरीदने-बेचने की राजनीति भाजपा का इतिहास रहा है। इन लोगों के जाने से पंजाब की राजनीति पर कोई असर नहीं पड़ा है, लेकिन इनके असली चेहरे लोगों के सामने आ गए हैं। जो भी भाजपा में शामिल हुआ, उसे बाद में पछताना पड़ा। हम आम आदमी पार्टी की विचारधारा के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं।

विधायक बलकार सिंह सिद्धू ने कहा कि इन नेताओं का नाम इतिहास में गद्दारों के तौर पर लिखा जाएगा। आप ने उन्हें पहचान और पद दिए, लेकिन वे उस भरोसे को बनाए रखने में नाकाम रहे। पंजाब के लोग इस धोखे को कभी माफ नहीं करेंगे और ऐसे नेता राजनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ जाएंगे। विधायक मनिंदर सिंह ग्यासपुरा ने कहा कि इन सांसदों को लोगों ने सीधे नहीं चुना था, बल्कि आप को मिले जनादेश से नॉमिनेट किया गया था। उन्होंने लोगों के भरोसे का गलत इस्तेमाल किया है। हम मांग करते हैं कि उनकी राज्यसभा मेंबरशिप तुरंत खत्म की जाए।

आप नेताओं ने कहा कि पंजाब के लोगों ने पार्टी को ऐतिहासिक फतवा दिया था, जिसके बाद अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में सात सदस्य राज्यसभा के लिए चुने गए थे। लेकिन, उनमें से छह ने अब सेंट्रल एजेंसियों के दबाव में आकर और अपने फायदे के लिए गैर-लोकतांत्रिक तरीके से भाजपा का दामन थाम लिया हैं। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए, आप के एक कार्यकर्ता ने कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ गए हैं, उन्हें पंजाब के लोग जल्द ही भूल जाएंगे, जैसे पुराने दलबदलू राजनीतिक रूप से गुमनामी में चले गए थे। उन्होंने न केवल पार्टी बल्कि पूरे राज्य के साथ गद्दारी की है।

आप नेताओं ने दोहराया कि पार्टी राज्य लीडरशिप से लेकर जमीनी स्तर तक मजबूत और एकजुट है। उन्होंने कहा कि भाजपा की ऐसी हरकतें पार्टी को कमजोर नहीं कर सकतीं। उन्होंने इस पूरी घटना को भाजपा के 'ऑपरेशन लोटस' का हिस्सा बताया, जिसका मकसद पंजाब में आप सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों में रुकावट डालना है।

विधानसभा का विशेष सत्र आज, ग्रुप डी कर्मचारियों की प्रमोशन को विधेयक लाएगी सरकार

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 26 अप्रैल। हरियाणा विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र सोमवार को आयोजित होने जा रहा है। विधानसभा सचिवालय की तरफ सत्र की अधिसूचना जारी करने के साथ ही सत्र का कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया है। सत्र की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होगी। सबसे पहले सदन के नेता, विपक्ष के नेता तथा विधानसभा स्पीकर की तरफ से पिछले सत्र से लेकर अब तक के दिवंगतों को श्रद्धांजलि भेंट की जाएगी। इसके बाद सदन की कार्यवाही संचालित होगी। इससे पहले विधानसभा का बजट सत्र आयोजित किया गया था। बजट सत्र की कार्यवाही 20 फरवरी से 18 मार्च तक चली थी। हरियाणा सरकार की तरफ से सोमवार को पांच साल की सेवा पूरी कर चुके ग्रुप डी के कर्मचारियों को प्रमोशन देने के लिए विधेयक पेश किया जाएगा। सोमवार को सदन में 'हरियाणा क्लेरिकल सर्विसेज़ रिक्रूटमेंट एंड कंडीशंस ऑफ़ सर्विस बिल, 2026' पेश किया जाएगा। प्रस्तावित कानून का मकसद सरकारी कर्मचारियों, खासकर कॉमन कैडर सिस्टम के तहत 'ग्रुप डी' श्रेणी के कर्मचारियों के लिए करियर में आगे बढने के मौकों को काफ़ी बेहतर बनाना है।

प्रमोशन का कोटा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत करने का प्रस्ताव

इस ड्राफ्ट में योग्य 'ग्रुप डी' कर्मचारियों के लिए क्लेरिकल पदों पर प्रमोशन का कोटा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। मसौदे के प्रावधानों में 5 प्रतिशत 'एक्स-ग्रेशिया' (अनुग्रह) पदों का भी प्रावधान है। कर्मचारियों के कल्याण के उपायों को और मजबूत करने के लिए इन पदों को भर्ती नियमों में शामिल किया जाएगा। सदन में इस विधेयक पर चर्चा के बाद ही अंतिम फैसला होगा। सरकार की तरफ से सदन में राजनीतिक प्रस्ताव भी रखा जा सकता है। इसके लिए पर्दे के पीछे से तैयारी चल रही है। हालही में लोकसभा में पेश किए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के फेल होने के बाद भाजपा द्वारा देशभर में कांग्रेस के विरूद्ध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि विशेष सत्र के दौरान सरकार विपक्षी दल कांग्रेस के विरूद्ध निंदा प्रस्ताव लेकर आ सकती है। इसे लेकर अभी तक सरकार की तरफ से स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। दूसरी तरफ कांग्रेस भी इस प्रस्ताव के विरोध में मजबूती के साथ अपनी बात रखने तथा सरकार पर पलटवार करने की तैयारी कर चुकी है। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह तथा कांग्रेस के अधिकतर विधायक रविवार को ही चंडीगढ़ पहुंच चुके हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधानसभा सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों को लेकर भी रणनीति पर मंथन किया है।

संगठित श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए होगा राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का गठन

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 26 अप्रैल। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसकी प्राप्ति में श्रमिक वर्ग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूती श्रमिकों की मेहनत पर आधारित है और इसी के बल पर भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम के सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय श्रमिक जागरूकता एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने भारतीय मजदूर संघ द्वारा ऑटो चालकों एवं ड्राइवरों के लिए श्रम कल्याण बोर्ड के गठन की मांग पर घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार संगठित श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का गठन करेगी। इस बोर्ड के माध्यम से ऑटो चालक एवं ड्राइवरों को भी सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सेवा सुरक्षा नियम लागू करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है, जिसके तहत

कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र जारी करने की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि 15 जून तक इस प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए सभी पात्र कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके बाद जब वर्तमान सरकार ने जनसेवा का दायित्व संभाला, तो श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता दी गई। आज न्यूनतम वेतन बढ़कर 19,425 रुपये हो चुका है। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस के 10 वर्षों में न्यूनतम वेतन लगभग दोगुना हुआ, वहीं वर्तमान सरकार के 11 वर्षों में यह तीन गुना से भी अधिक बढ़ा है, जो श्रमिक कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में हरियाणा की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि आज प्रदेश विकास के मामले में नई बुलंदियों को छू रहा है और इसका श्रेय मेहनतकश श्रमिकों को जाता है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के परिश्रम के बल पर ही हरियाणा देश के सबसे तेजी से प्रगति करने वाले राज्यों में शामिल हुआ है।

उन्होंने कहा कि श्रमिकों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास सहित हर आवश्यक जरूरत का ध्यान रखना सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर श्रमिक कल्याण हेतु चलाई जा रही 29 योजनाओं के अंतर्गत 34 हजार 197 लाभार्थियों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 40 करोड़ रुपये की राशि भी ट्रांसफर की,

न्यूनतम वेतन में 35 प्रतिशत बढ़ोतरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने गत 8 अप्रैल को कोड ऑन वेजिज के प्रावधानों के तहत न्यूनतम बेसिक वेतन में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी लागू की है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2005 में न्यूनतम वेतन 2,903 रुपये था, जो 2014 तक बढ़कर 6,289 रुपये हुआ।

जिससे श्रमिकों के जीवन स्तर को और सुदृढ़ किया जा सके। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था चार प्रमुख स्तंभों–भूमि, श्रम, पूंजी और उद्यमिता पर आधारित होती है। इनमें से श्रम सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, क्योंकि श्रमिकों की मेहनत ही विकास की गति को आगे बढ़ाती है। उन्होंने श्रमिकों को राष्ट्र निर्माण का आधार बताते हुए कहा कि उनके सशक्तिकरण और सम्मान के बिना विकसित भारत का सपना साकार नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने ऐसी व्यवस्था विकसित की है, जिससे सभी श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी और पारदर्शिता के साथ मिल सके, इसके लिए नई तकनीक का सहारा लिया गया है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार द्वारा ई-श्रम पोर्टल की शुरुआत की गई।

एक नजर

राष्ट्रीय स्तर पर महर्शि कश्यप जी की जयंती मनेगी लुधियाना में तीन मई को

करनाल, 26 अप्रैल। आल इंडिया कश्यप राजपूत (पं.)वैलफेयर सभा द्वारा राष्ट्रीय स्त पर महर्षि कश्यप जी की जयंती पंजाब के लुधियाना जिले के शहनशाह पैलेस में तीन मई को मनाई जाएगी। इसमें देश भर से कश्यप समाज के लोग पहुंचेंगे। पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर बड़े स्तर पर आयोजन किया जा रहा हैं। यह जानकारी आल इंडिया कश्यप राजपूत (पं.)वैलफेयर सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप भारद्वाज ने दी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरियाणा के मुख्य मंत्री नायाब सिंह सैनी होंगे। इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री डा. राजा भूषण चौधरी तथा राज्य सभा सदस्य बाबू राम निषाद मॉजूद रहेंगे। इासके अलाख्वा सांसद विधायक राज्य सरकारों में मंत्री भी इस कार्यक्र म में पहुंच रहे है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से महर्षि कश्यप जयंती नपर राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी कार्यक्रम आयोजित करनें के साथ डाक टिकि ट जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा हर समाज के महापुरुषों को सम्मान दिया जा रहा हैं। इसकी शुरूआत हरियाणा में पूर्व सीएम मनोहर लाल ने सरकारी स्तर पर उनकी जयंती मनाकर की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर भी महर्षि कश्यप जी की स्मृति में संस्थान बनाना चाहिए।

सांसद हुड्डा की सादगी और ईमानदारी ही उनकी सबसे बड़ी पूंजीः सुल्तान जडौला

कैथल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्य संसदीय सचिव सुल्तान सिंह जडौला ने कहा कि युवा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा आज हरियाणा के सुनहरे भविष्य का प्रतीक बन चुके हैं। वे लगातार प्रदेश की जनता की बुलंद और प्रचंड आवाज बनकर काम कर रहे हैं तथा हर वर्ग के मुद्दों को मजबूती से उठा रहे हैं। नई अनाज मंडी ढांड में अपने प्रतिष्ठान पर बातचीत करते हुए सुल्तान जडौला ने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा किसान, मजदूर, व्यापारी, कर्मचारी, युवा वर्ग सहित 36 बिरादरी की आवाज बनकर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों पर निरंतर प्रहार कर रहे हैं। संसद से लेकर सड ?ों तक, वे हर मंच पर हरियाणा की जनता के हक और अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ते नजर आते हैं। पूर्व विधायक सुल्तान जडौला ने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा आज हरियाणा के युवाओं के लिए एक आदर्श और रोल मॉडल बन चुके हैं। रोजगार, शिक्षा और खेल को लेकर उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है हर युवा को अवसर मिले और हर गांव तक विकास पहुंचे। बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की समस्याओं को लेकर वे सरकार को कठघरे में खड़ा करने का काम लगातार कर रहे हैं। कांग्रेसी नेता सुल्तान जडौला ने कहा कि सांसद हुड्डा की सादगी, पारदर्शिता और ईमानदारी ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उनका दिन जनता के बीच से शुरू होता है और जनता के बीच ही समाप्त होता है, यही कारण है कि वे आमजन के दिलों में विशेष स्थान बना चुके हैं। सुल्तान जडौला ने कहा कि आज हरियाणा के कोने-कोने में सांसद हुड्डा का नाम भरोसे, उम्मीद और विकास का पर्याय बन चुका है। आने वाले समय में उनका नेतृत्व प्रदेश को नई दिशा और नई ऊंचाइयों तक ले जाने में निर्णायक साबित होगा।

अग्रवाल सभा ने लगाया चिकित्सा जांच शिविर

टोहाना। अग्रवाल सभा द्वारा रेलवे रोड पर सुबह 6 बजे से 7.30 बजे तक योगाश्रम के सामने (दो नहरों के बीच) नि-शुल्क चिकित्सा जांच शिविर लगाकर 141 लोगों के ब्लड प्रेशर (बी. पी.), आक्सीजन, बुखार, शुगर

आदि की जांच की गई व जरूरतमंद लोगों को नि-शुल्क दवाईयां वितरित की गई। यह शिविर संजय सिंगला (जनता फर्नीचर वाले) के सौजन्य से लगाया गया। शिविर में टोहाना रत्न डा. शिव सचदेवा व डा. लक्ष्य सिंगला(अंडर ट्रेनिंग) ने स्वास्थय जांच करने के बाद उपस्थित लोगों को अपने स्वास्थय का ध्यान रखने की सलाह देते हुए कहा कि उच्च रक्त शर्करा का स्तर आपके हृदय, रक्त वाहिकाओं, गुर्दे, पैर और आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है। डा. शिव सचदेवा ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाओ व नियमित रूप से अपने हृदय की जांच करवाएं। उन्होंने कहा कि शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढना अर्थात प्रोटीन की मात्रा को बढने से रोकने के लिए प्रोटीन युक्त पदार्थो का सेवन कम कर देना चाहिए और यूरिक एसिड से बचाव के लिए हमें सेब के सिरके और नींबू का सेवन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त प्रोटीन युक्त पदार्थ (दालें, चने, राजमा) व मांसाहार तथा शराब से परहेज करना चाहिए। खुद के लिए समय निकालते हुए व्यायाम कीजिए व फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थों व फल-सब्जियों का सेवन कीजिए। इस अवसर पर अग्रवाल सभा प्रधान रमेश गोयल, वाई. पी. गर्ग, सुरेश सिंगला, सतपाल नन्हेड़ी, अजय गोयल, पुलकित सिंगला, राज पंसारी आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम हर नागरिक को राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए करता है प्रेरितः बड़ौली

■ **बोले- मन की बात कार्यक्रम से देश के कोने-कोने में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों को मिल रही है पहचान**

पंचकूला ऑब्जर्वर

कैथल, 26 अप्रैल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यकम 'मन की बात' के 133वें संस्करण को कैथल जिला सर्व ब्राह्मण धर्मशाला में मंत्री डा. अरविन्द शर्मा एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सुना।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह कार्यक्रम हर नागरिक को राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में पीएम मोदी ने अपने आत्मनिर्भर भारत के विजन को

मजबूती देते हुए देश की वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति को रेखांकित किया है, जो विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी का मन की बात कार्यक्रम देशवासियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री समाज के विभिन्न वर्गों के प्रेरक कार्यों, नवाचारों, स्टार्टअप, स्वच्छता, आत्मनिर्भर भारत, पर्यावरण संरक्षण एवं लोक संस्कृति से जुड़े विषयों को प्रभावी रूप से सामने रखते हैं, जिससे लोगों को आगे बढने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम ने आमजन के प्रयासों को एक मंच प्रदान किया है। इससे देश के कोने-कोने में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों को पहचान मिल रही है। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि 'मन की बात' के इस एपिसोड में प्रधानमंत्री ने बुद्ध पूर्णिमा से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती तक के ऐतिहासिक और प्रेरणादायक प्रसंगों का भी उल्लेख किया। यह हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महान व्यक्तित्वों के योगदान को याद करने का अवसर है, जो हमें देशहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनगणना को देश की योजनाओं और विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया है।

उन्होंने कहा कि सटीक आंकड़े ही प्रभावी नीतियों का आधार बनते हैं, जिससे समाज के हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 'मन की बात' में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री के संदेशों को अपने जीवन में अपनाएं और आत्मनिर्भर, स्वच्छ तथा विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। इस मौके पर जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर, मुनीश कठवाड़, चेयरमैन सतीश शमा सिरटा, चेयरपर्सन सुरभि गर्ग, ओमपाल राणा, राजेश शर्मा आदि भी उपस्थित थे।

किसानों के खातों में जल्द राशि नहीं पहुंची तो भाकियू करेगी प्रदर्शनः विक्रम कसाना

कैथल, 26 अप्रैल। भारतीय किसान यूनियन चढूनी के युवा प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट विक्रम कसाना ने किसानों को समय पर भुगतान न मिलने को लेकर सरकार और प्रशासन पर की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि सोलूमाजरा साइलो में गेहूं बेच चुके किसानों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। साइलो में गेहूं बेचने वाले किसानों को 13 दिन बीत जाने के बावजूद अब तक उनकी फसल का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे किसानों में भारी रोष है। कसाना ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सोमवार तक किसानों के खातों में उनकी गेहूं की राशि नहीं पहुंची, तो किसान यूनियन सडकों पर उतरने को मजबूर होगी। ढांड में किसानों को संबोधित करते हुए किसान नेता विक्रम कसाना ने कहा कि एक तरफ किसान पहले ही गेहूं बेचने के दौरान पोर्टल और बायोमेट्रिक प्रक्रियाओं में उलझे रहे, वहीं अब भुगतान के लिए भी उन्हें दफ्तरों और अधिकारियों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। फसल बेचने के बाद समय पर भुगतान न मिलना किसानों के लिए गंभीर आर्थिक संकट खड़ा कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस समय किसान अपनी गेहूं बेचकर अगली फसल की तैयारी, खाद-बीज और अन्य जरूरी खर्च पूरे करता है, लेकिन भुगतान में देरी के कारण उसकी पूरी व्यवस्था चरमरा रही है। विक्रम कसाना ने कहा कि हालात ऐसे बन गए हैं कि किसान अपनी खेती का काम छोड़कर बैंकों और खरीद एजेंसियों के अधिकारियों के चक्कर काटने को मजबूर है, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही।

विधायक आदित्य सुरजेवाला ने जगदीशपुरा में 25 लाख की लागत से बनी गली का किया उद्घाटन

कैथल, 26 अप्रैल। कैथल कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला ने गांव जगदीशपुरा में 25 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित पेवर ब्लॉक गली का उद्घाटन किया। विधायक आदित्य सुरजेवाला ने उद्घाटन अवसर पर कहा कि जगदीशपुरा के ग्रामवासियों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि गांव जगदीशपुरा का सुरजेवाला परिवार के प्रति सदैव लगाव व समर्थन रहा है। मैं हल्के और गांव के विकास कार्यों में कभी कोई कमी नहीं आने दूंगा। सरपंच सुनीता देवी और सरपंच प्रतिनिधि हरजिंदर सिंह ने समस्त ग्रामवासियों की ओर से विधायक आदित्य सुरजेवाला का धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर सरपंच सुनीता देवी, सरपंच प्रतिनिधि हरजिंदर सिंह, सरदार सतनाम सिंह, कुलदीप सिंह, सूबेदार रवेल सिंह, सुखविन्द्र सिंह फौजी, प्रवीन कुमार वाल्मीकी, सतबीर गुर्जर, काला सैनी, कृष्ण कुमार वाल्मीकी, गुरमीत पंच, प्रीतम दास खत्री, विनोद आदि उपस्थित थे।

सदभाव यात्रा को मिले जनसमर्थन से उड़ी सत्ता पक्ष के नेताओं की नींद : राममेहर दनौदा

उचाना मंडी । सदभाव यात्रा की शुरूआत से लेकर अब तक कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह के कदम से कदम मिलकार साथ चलने वाले युवा कांग्रेस नेता राममेहर दनौदा ने कहा कि सदभाव यात्रा से सत्ता पक्ष के नेताओं की नींद उड़ा दी है। इस यात्रा को मिल रही सफलता के बाद से सत्ता पक्ष के नेता यात्रा को लेकर तरह-तरह की बयान-बाजी जारी कर रहे है। यात्रा की शुरूआत से लेकर अब तक निरंतर यात्रा को जनसमर्थन जो मिला है वो प्रदेश में आने वाले समय में बड़े बदलाव का संकेत है। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में निकाली जाने वाली इस यात्रा के साथ कांग्रेस के विधायक, सांसद, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, जिलाध्यक्ष सहित आस-पास के राज्यों के विधायक समर्थन देने पहुंचे है।

अंबाला में निर्मित आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक का उद्घाटन होगा जल्दः विज

'मन की बात' में 1857 का जिक्र, अंबाला स्मारक से जुड़े इतिहास को मिलेगी नई पहचान

पंचकूला ऑब्जर्वर

अंबाला, 26 अप्रैल। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आशा व्यक्त की कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की स्मृति में अंबाला छावनी में निर्मित हो रहे भव्य शहीद स्मारक का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी शीघ्र करेंगे। उन्होंने कहा कि इस स्मारक के खुलने के बाद देशभर के लोग यहां आकर उन अनसुने वीरों (अनसंग हीरोज) की गाथाओं को जान सकेंगे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे।

श्री विज आज अंबाला छावनी स्थित मॉल रोड पर श्री शालिंदर खन्ना (शैली) के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को सुनने के उपरांत मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज के 'मन की बात' कार्यक्रम में वर्ष 1857 के

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का उल्लेख किया, जो अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस ऐतिहासिक संग्राम की स्मृति में अंबाला छावनी में लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से एक भव्य शहीद स्मारक का निर्माण किया गया है। इसमें 10 मई 1857 से शुरू हुए स्वतंत्रता संग्राम और देशभर में हुए संघर्षों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। अंबाला, मेरठ, झांसी, कश्मीरी गेट सहित विभिन्न स्थानों पर लड़ी गई लड़ाइयों तथा रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे जैसे महान योद्धाओं के योगदान को भी इसमें दर्शाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि 1857 के कई वीरों को इतिहास में उचित पहचान और श्रद्धांजलि नहीं मिल सकी। इसी को ध्यान में रखते हुए इस स्मारक में विशेष 'श्रद्धांजलि स्थल' भी बनाया गया है, जहां लोग उन शहीदों को नमन कर सकेंगे, जिन्हें अब तक पर्याप्त सम्मान नहीं मिल पाया। विज ने बताया कि 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि मई का महीना 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाता है। उन्होंने मां भारती की वीर संतानों को नमन करते हुए युवाओं, विशेषकर स्कूली बच्चों से आह्वान किया कि वे अपनी छुट्टियों का सदुपयोग करें और कुछ नया सीखने का प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रातः 11 बजे 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों से संवाद करते हैं और विभिन्न विषयों पर प्रेरणादायक विचार सांझा करते हैं। इस बार उन्होंने न्यूक्लियर ऊर्जा और पवन ऊर्जा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा बांस उद्योग को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार ने बांस को पेड़ की श्रेणी से अलग कर दिया है, जिससे इस क्षेत्र में नवाचार और उद्योग को बढ़ावा मिला है। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से उत्तर-पूर्व भारत में बांस उद्योग को सशक्त बनाने के लिए लोगों से बांस से बने उत्पादों को अपनाने की अपील की। श्री विज ने भी लोगों से आग्रह किया कि वे बांस से बने उत्पादों की खरीद कर इस उद्योग को प्रोत्साहित करें, जिससे उत्तर-पूर्व क्षेत्र के विकास को बल मिलेगा। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में गणित ओलंपियाड में भारतीय विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उल्लेख किया तथा महात्मा बुद्ध के विचारों को भी सांझा किया। श्री विज ने कहा कि महात्मा बुद्ध का संदेश आत्म-अनुशासन पर आधारित है- 'पहले स्वयं पर शासन करें, फिर दूसरों का मार्गदर्शन करें।' यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है। विज ने देशवासियों से आह्वान किया कि वे 'मन की बात' कार्यक्रम को नियमित रूप से सुनें और अपने जीवन का कुछ समय निकालकर इससे प्रेरणा प्राप्त करें, क्योंकि यह कार्यक्रम देश की उपलब्धियों, नवाचारों और सकारात्मक पहलुओं से लोगों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

बालों की समस्या और उनके समाधान

खट्टे दही को सिर में अच्छी तरह लगाने के बाद सिर धोने से रूसी समाप्त होती है। आंवले व रीठे को एक साथ भिगोकर उस पानी से सिर धोने से रूसी मिट जाती है। बेसन में दही तथा नींबू का रस मिलकर सप्ताह में दो बार बाल धोने से रूसी नहीं रहेगी। आंवला, शिकाकाई, बहेड़ा तथा मेंहदी के पत्तों को अच्छी तरह उबालें, फिर मसलकर छान लें। उस पानी को बालों की जड़ों में लगाकर अच्छी तरह सिर धोयें। बालों को धोने के बाद दो बड़े चम्मच सिरका पानी में घोलकर उससे बाल धोयें। बालों को धोने से कभी हानि नहीं पहुंचती। सिर में रूसी धूल से भी होती है। रूसी वाले व्यक्ति को तो तौलिया, कंघा आदि अलग रखना चाहिए। रूसी के कारण कील-मुहांसे और खुजली आदि समस्याएं पैदा हो जाती हैं।

स्वास्थ्य की सही देखभाल का प्रभाव बालों पर प्रकट होता है। यदि आप सामान्य रूप से स्वस्थ और संतुलित आहार लेते हैं तो इसकी झलक आपके बालों में भी मिलेगी। इसके विपरीत बीमारी, तनाव और कमजोरी आदि से आपके बालों पर भी असर पड़ेगा। बालों तक सही रक्त संचार होना आवश्यक है। इसके लिए अच्छा आहार और सामान्य जीवन पद्धति बहुत महत्त्वपूर्ण है।

इसमें से एक बड़ी समस्या सिर में रूसी होना है। इससे बाल गिरने लगते हैं तथा फुंसियों आदि की अन्य समस्याएं पैदा हो जाती हैं। रूसी खुजली होती है। खुजलाने से खोपड़ी में कीटाणु संक्रमण हो जाता है जिसके कारण बाल झड़ने लगते हैं। उचित उपाय से हमारे सिर को रूसी और रोगाणु संक्रमण से मुक्ति मिल सकती है।

मेंहदी, शिकाकाई, रीठा, अण्डा और आंवला आदि प्राकृतिक चीजें कीटाणुनाशक होने के साथ बालों को आश्चर्यपूर्ण ढंग से साफ भी रखती हैं और उसमें कोई हानिकारक प्रभाव भी नहीं होता। बाल बहुत कोमल होते हैं इसलिए इनके साथ कोमलता से ही पेश आना चाहिए। तेल नींबू की हल्की मालिश से रूसी की पपड़ियां उतर जाती हैं।

मालिश बहुत हल्के ढंग से करनी चाहिए। अंगुलियों के पोरों को धीरे-धीरे घुमाकर मालिश करनी चाहिए। रात भर इसे सिर में लगा रहने दें। प्रातः काल होने से एक घंटा पहले सिर में नींबू का रस लगायें। सप्ताह में एक बार किये गये इस उपचार से रूसी दूर होने के साथ-साथ बाल कोमल और चमकदार भी होते हैं।

खट्टे दही को सिर में अच्छी तरह लगाने के बाद सिर धोने से रूसी समाप्त होती है। आंवले व रीठे को एक साथ भिगोकर उस पानी से सिर धोने से रूसी मिट जाती है। बेसन में दही तथा नींबू का रस मिलकर सप्ताह में दो बार बाल धोने से रूसी नहीं रहेगी। आंवला, शिकाकाई, बहेड़ा तथा मेंहदी के पत्तों को अच्छी तरह उबालें, फिर मसलकर छान लें। उस पानी को बालों की जड़ों में लगाकर अच्छी तरह सिर धोयें। बालों को धोने के बाद दो बड़े चम्मच सिरका पानी में घोलकर उससे बाल धोयें।

बालों को धोने से कभी हानि नहीं पहुंचती। सिर में रूसी धूल से भी होती है। रूसी वाले व्यक्ति को तो तौलिया, कंघा आदि अलग रखना चाहिए। रूसी के कारण कील-मुहांसे और खुजली आदि समस्याएं पैदा हो जाती हैं। प्राकृतिक रूप से सुंदर दिखाई देने वाली चीज का स्वरूप बनावटी साधनों से प्राप्त नहीं हो सकता। बालों में एक स्वाभाविक चमक, लचीलापन और सौंदर्य होता है। बालों को रूसी से बचाने का मूल तरीका साफ रखना ही है।

बालों का झड़ना:- घने और सुंदर बालों की चाहत सब स्त्री-पुरूषों को होती है। बालों की लम्बाई से अधिक महत्त्व बालों के घनेपन का होता है क्योंकि अधिक घना होना ही सुंदरता की पहचान है। यदि बालों के गुच्छे निकलें और बाल हल्के होने लगें तो यह चिंता की बात है। इसके कुछ कारण हैं।

गर्भावस्था के समय, प्रसव के बाद, शिशु के स्तनपान कराने से, तेज ज्वर के कारण, घटिया साबुन शैम्पू, तेल आदि के कारण, तनावपूर्ण जीवन, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, गर्मी में अधिक देर तक बालों को खुले रखना और उन्हें घुंघराले बनाने के लिए क्लिपों से बांधकर रखने से बाल झड़ने लगते हैं।

बालों का सफेद होना:- समय से पूर्व बालों का सफेद होना बहुत ही चिन्ता की बात होती है। बालों की तीन परतें होती है। बाल एक केंद्रीय परत से बनते हैं। बाहरी परत हल्के पतले छिलके जैसे तत्व से बनी होती है। दूसरी परत में बालों को रंग देने वाले तत्व रहते हैं। आयु बढ़ने के साथ-साथ इस परत में बालों को रंग देने की शक्ति नहीं रह जाती। सबसे महत्त्वपूर्ण कारण आयु है। जिनके बाल एक बार सफेद हो जाते हैं, वे कभी काले नहीं होंगे।

बाल रंगना व उसका तरीका:- प्राकृतिक पदार्थों से सिर धोना आवश्यक है। इससे बालों को हानिकारक प्रभाव से बचाया जा सकता है। बालों को रंगने वाली प्राकृतिक चीजों से किसी प्रकार की हानि नहीं होती। बालों को रंगने के लिए मेंहदी सबसे उपयुक्त चीज है जिसमें बालों को शक्ति देने की सामर्थ्य भी है। यदि मेंहदी में काफी या कत्थे का चूर्ण मिला लिया जाय तो सफेद बालों में खप जाता है। इसका प्रभाव काले बालों पर नहीं पड़ता बल्कि इससे चमक आती है।

मेंहदी के विशेष पाउडरों में आंवला तथा कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण चीजें मिली हुई होती हैं। इससे बहुत सी बीमारियां भी ठीक होती हैं। मेंहदी से अन्य कई लाभ भी होते हैं।

बालों में रसायनिक खिजाब लगाने से खुजली अथवा एलर्जी भी हो सकती है। बालों के सौंदर्य प्रसाधन के लिए आवश्यक है कि हानिकारक प्रभाव को रोका जाये। इसके लिए प्राकृतिक पदार्थों का उपयोग करना चाहिए।

डाई का तरीका:- पहली बार डाई करने से पूर्व थोड़ी-सी डाई घोलकर कान के पीछे या कोहनी के भीतर की त्वचा पर लगाकर 20 मिनट बाद डाई धो दें। 24 घंटे के भीतर अगर त्वचा के उस भाग में जलन या खुजली हो तो डाई का प्रयोग न करें।

दादी-नानी बच्चों को देती हैं जीवन की बड़ी सीख

दादी अम्मा-दादी अम्मा मान जाओ, गाने की धुन बच्चों को बहुत पसंद आती है। मां के बाद बच्चों को नानी या दादी से बहुत लगाव होता है। दादी-नानी ममता, प्यार की देवी होती है। संस्कार और संस्कृति से जोड़ती हैं। बच्चों के संतुलित विकास में ग्रैंडपैरेंट्स की भूमिका जरूरी है। बच्चा अपने संस्कार जाने इसके लिए दोनों पीढ़ियों का साथ में रहना आवश्यक है। कामकाजी मांओं के लिए दादी-नानी का परिवार में साथ होना वरदान होता है। लेकिन जब हालात ऐसे हों कि मां ना हो तो तब दादी-नानी की जिम्मेदारियां और दायित्व बढ़ जाते हैं।

पालने में परेशानी

कभी-कभी ऐसे हालात होते हैं कि माएं अपने बच्चों को छोड़ दुनिया को अलविदा कह देती हैं। ऐसी विकट परिस्थिति में मां के न रहने पर दादी-नानी जब बच्चों को पालती हैं तो कई तरह की परेशानियां आती है। अगर बुजुर्ग दादी-नानी विधवा हैं तो यह परेशानी दुगुनी हो जाती है। बुजुर्ग महिलाओं को जिन्होंने अपने जीवन में घर की चारदीवारी लांघ कर काम नहीं किया है बुढ़ापे में पैसे कमाना और भी मुश्किल होता है। ऐसी हालत में पैसों की परेशानी इन मुश्किलों को और भी बढ़ा देती है। साथ ही सेहत से जुड़ी परेशानियां भी कुछ कम नहीं होती है। हड्डियों का दर्द हो या दिल की बीमारी बुजुर्ग महिलाओं को अधिक काम करने में समस्या उत्पन्न करते हैं। यही नहीं बच्चों को पालने जैसी जिम्मेदारियां मानसिक तनाव भी पैदा करती हैं। इसके अलावा समाज से अलगाव, परिवार के मुद्दे, पढ़ाई में मुश्किल भी ऐसी परेशानियां हैं जिनका समाधान कठिन है। दादी-नानी बच्चों को प्यार तो देती ही हैं लेकिन वह अनुशासन भी सीखती हैं।

नाती-पोतों को पालते समय ग्रैंडपैरेंट्स बरतें सावधानियां

अपने नाती-पोतों को पालन कोई आसान काम नहीं है। छोटे बच्चों को पालने में दादी-नानी कुछ खास तरह की नियमों का पालन कर सकती हैं। बच्चों को अधिक उपदेश न दें बल्कि उनके साथ दोस्ताना बर्ताव करें। बच्चे अपनी मां की तुलना में दादी-नानी से अधिक लगाव महसूस करते हैं, ऐसे में उन्हें सही-गलत बातों में फर्क बताएं। जीवन में अनुशासन की भूमिका समझाएं। बच्चों के ऊपर अपने विचारों को न थोपें। उनके सामने आदर्श बनें लेकिन व्यावहारिकता से दूर न करें। उनके साथ उनकी उम्र का बनकर परवरिश करें।

जनरेशन गैप करें कम

बच्चे अपने दादी-नानी से उनका अमूल्य अनुभव लेते हैं। नाती-पोते ग्रैंडपैरेंट्स से रीति-रिवाज और संस्कृति सीखते हैं। लेकिन सब कुछ सीखने के बावजूद दादी-नानी और बच्चों के बीच जनरेशन गैप भी एक बहुत बड़ी चुनौती होती है। अगर यह जनरेशन गैप खत्म न हो तो बच्चों और ग्रैंडपैरेंट्स के बीच दूरी बन जाती है जो दोनों के बीच रिश्तों की मजबूती को कम करती हैं। इस गैप को कम करने के लिए दादी-नानी बहुत से उपाय अपना सकती हैं। सबसे पहले कोशिश कर के तकनीकी गैप को कम करें। आजकल बच्चों की पसंदीदा चीजें जैसे फेसबुक, स्काइपी का इस्तेमाल भी सीखें। इससे बच्चे आपके अधिक करीब आएंगे। बच्चों के संगीत के प्रति सहनशील हों और उन्हें पसंद करें। साथ ही अपनी सामाजिक सहनशीलता को भी बढ़ाएं। इसके अलावा दिखावे को भी बढ़ावा न दें।

कभी-कभी ऐसे हालात होते हैं कि माएं अपने बच्चों को छोड़ दुनिया को अलविदा कह देती हैं। ऐसी विकट परिस्थिति में मां के न रहने पर दादी-नानी जब बच्चों को पालती हैं तो कई तरह की परेशानियां आती है। अगर बुजुर्ग दादी-नानी विधवा हैं तो यह परेशानी दुगुनी हो जाती है। बुजुर्ग महिलाओं को जिन्होंने अपने जीवन में घर की चारदीवारी लांघ कर काम नहीं किया है बुढ़ापे में पैसे कमाना और भी मुश्किल होता है। ऐसी हालत में पैसों की परेशानी इन मुश्किलों को और भी बढ़ा देती है।

तिलक लगवाने के 7 सेहत फायदे

रक्षाबंधन का त्योहार हो या अन्य कोई मौका माथे पर तिलक लगाने की परंपरा हमारे यहां बरसों से है। अधुनिकता के चलते कई लोगो माथे पर तिलक लगवाना अब कम ही पसंद करते हैं। लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि बरसों पुरानी ये परंपरा आपकी सेहत के लिए कितनी फायदेमंद हैं –

1. आमतौर पर चंदन, कुमकुम, मिट्टी, हल्दी, भस्म आदि का तिलक किया जाता है। कहा जाता है कि जो लोग तिलक लगा हुआ दिखाना नहीं चाहतें, तो वे ललाट पर जल से तिलक भी करके इसके फायदे पा सकते हैं।
2. माथे पर तिलक लगाने से व्यक्तित्व प्रभावशाली हो जाता है। दरअसल, तिलक लगाने का मनोवैज्ञानिक असर होता है और इससे व्यक्ति के आत्मविश्वास और आत्मबल में वृद्धि होती है।
3. माना जाता है कि ललाट पर नियमित रूप से तिलक लगाने से मस्तिष्क शांति रहता है और सुकून का अनुभव करता है। साथ ही कई मानसिक बीमारियां भी इससे ठीक हो सकती है।
4. माथे पर तिलक लगाने से दिमाग में सेराटोनिन और बीटा एंडोर्फिन का स्राव संतुलित तरीके से होता है, जिससे उदासी दूर हो हैने में मदद मिलती है। साथ ही सिरदर्द की समस्या में कमी आती है।
5. हल्दी युक्त तिलक लगाने से त्वचा शुद्ध होती है क्योंकि हल्दी में एंटी बैक्ट्रियल तत्व होते हैं, जो रोगों से मुक्त दिलाने में सहायक होते है।
6. एक धार्मिक मान्यता ये भी है कि चंदन का तिलक लगाने से मनुष्य के पापों का नाश होता है। लोग कई तरह के संकट से बच जाते हैं और ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, तिलक लगाने से ग्रहों की शांति होती है।
7. माना जाता है कि चंदन का तिलक लगाने वाले का घर अन्न-धन से भरा रहता है और सौभाग्य में बढ़ोतरी होती है।

चुकन्दर से बढ़ाएं होठों की खूबसूरती

खूबसूरत मुस्कान के पीछे खूबसूरत होठों की भी अहम भूमिका होती है। ऐसे में अच्छी मुस्कान वाली महिला के होठों पर लोगों की नजर टिकना स्वाभाविक है। लेकिन अगर आपके होंठ सुंदर हों लेकिन गुलाबी होने की जगह फीके रंग वाले हों तो जरूर आपकी खूबसूरत मुस्कान और सुंदरता दोनों पर इसका प्रभाव पड़ेगा। खूबसूरत दिखने के लिए महिलाएं तमाम प्रयास करती हैं। किसी भी महिला की खूबसूरती में उसके होंठ चार चांद लगाते हैं। होंठों को अधिक खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं बाजार में उपलब्ध केमिकल युक्त प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। इनके इस्तेमाल से खूबसूरती तो बढ़ेगी लेकिन यह आपकी स्किन को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए ऐसी नैचुरल चीजों का इस्तेमाल करना चाहिए, जो बिना नुकसान के आपको खूबसूरत बनाए। चुकंदर हमारी सेहत के लिए तो बहुत फायदेमंद होता है। होंठो में निखार लाने के लिए चुंकदर बहुत मदद करता है। अगर आप भी फीके होंठों की परेशानी से जूझ रहे हैं तो इस परेशानी को दूर करने के लिए आज आपको होठों को गुलाबी बनाने के घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं।

सामग्री- 1 चुकन्दर, बादाम का तेल, एक छोटा जार,

घर पर ऐसे बनाएं

सबसे पहले चुकंदर को अच्छी तरह से धो लें फिर इसका छिल्का उतारकर घियाकस से कस लें या कद्दूकस कर लें। इसके बाद कद्दूकस किया हुआ चुकंदर सुखा लें। सूखे चुकंदर को पीस कर पाउडर बनाएं। दो चम्मच चुकंदर के पाउडर को दो चम्मच बादाम के तेल में मिलाकर टिंट बना लें। इसे किसी साफ

जार या किसी छोटी शीशी में भरकर फ्रीज में रख लें। दिन में 2 से 3 बार व रात में होठों को साफ करके उंगली से लगाकर सो जाएं।

चुकंदर के अन्य फायदे

चुकंदर इस टिंट के अलावा फेस पैक भी बना सकते हैं। चुकंदर से बना फेस पैक चेहरे पर गुलाबी रंगत लाता है। इसके के साथ ही चुकंदर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट चेहरे को एजिंग की समस्या से बचाते हैं। आपको बता दें कि चुकंदर का रस को आंखों के आसपास मौजूद डार्क सर्किल्स को खत्म करने में बहुत मदद करता है। चुकंदर का रस चेहरे पर लगाने से चेहरे पर ग्लो आ जाता है।

एनीमिया की बीमारी को दूर करने के लिए खाएं चुकंदर

एनीमिया की बीमारी को दूर करने के लिए चुकंदर का इस्तेमाल सबसे ज्यादा लाभदायक है। चुकंदर में पर्याप्त मात्रा में आयरन, विटामिन और मिनरल्स होते हैं, जो खून को बढ़ाने और उसे साफ करने का काम करते हैं। महिलाओं को खून की कमी ज्यादा होती है। इसलिए महिलाओं को डाइट में चुकंदर जरुर लेना चाहिए।

खराब कोलेस्टॉल को कम करता है चुकंदर

चुकंदर में फाइबर, फ्लेवोनॉयड्स और बेटासायनिन काफी मात्रा में मौजूद होता है। इसलिए इसका रंग लाल और बैंगनी होता है. यह एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। इसको खाने से दिल के दौरे आने की समस्या में भी फायदा होता है।

शरीर में उर्जा बढ़ाता है और थकान को करता है दूर

जो लोग जिम में काफी वर्कआउट करते है और सारा दिन काम कर के थक जाते है उनके लिए चुकंदर खाना बहुत फायदेमंद होता है। चुकंदर खाने से एनर्जी लेवल बढ़ता है। इसके साथ ही इसमें मौजूद नाइट्रेट तत्व धमनियों का विस्तार करने में मदद करता है।

ब्लड शुगर लेवल को कम करे

चुकंदर में नाइट्रेट्स की मात्रा खूब होती है। इसे खाने से नाइट्राइट्स और गैस नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल जाता है। ये दोनों ही चीजें हमारी धमनियों को चौड़ा करने और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करती हैं।

कब्ज से राहत दिलाए और वजन भी करे कम

चुकंदर में फाइबर होता है इसलिए यह कब्ज को दूर करने के लिए दवाई का काम करता है। यह कब्ज को दूर करने के लिए सबसे अच्छा उपाय है। इससे खाना भी जल्दी पच जाता है। चुकंदर में कैलोरी काफी कम होती है और एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर अधिक होता है जिससे आप आसानी से अपना वज़न कम कर सकते हैं।

मैट लिपस्टिक लगाने का परफेक्ट तरीका

लिपस्टिक तो अधिकांश लड़कियां लगाती है, इन दिनों मैट लिपस्टिक फैशन ट्रेंड में बनी हुई है। इसे लगाने का तरीका सामान्य लिपस्टिक से थोड़ा अलग होता है। अगर आपने इसे सही तरीके से नहीं लगाया तो मैट लिपस्टिक से होठों को जो खूबसूरती मिलती है, उससे आप वंचित रह जाएंगी। आइए, आपको सिखाएं मैट लिपस्टिक लगाने का परफेक्ट तरीका –

1 मैट लिपस्टिक लगाने से पहले अपने होठों को उसके लिए तैयार करें। इसके लिए सबसे पहले होठों पर स्क्रब करें जिससे उन पर मौजूद मृत त्वचा निकल जाए और मैट लिपस्टिक लगाने के लिए एक स्मूद बेस मिलें। अगर बिना होठों पर स्क्रब किए लिपस्टिक लगाएंगे तो कुछ ही देर बाद होठों पर सिलवटे पड़ी हुई दिखाई देंगी।

2 मैट लिपस्टिक ड्राय होती है इसलिए इसे लगाने से पहले होठों पर लिप बाम की एक पतली सी परत लगाना जरूरी होता है।

3 मैट लिपस्टिक ड्राय होती है इसलिए इसे ब्रश से लगाने की जरूरत नहीं होती। इन्हें आप सीधे ट्यूब से लगाएं साथ ही अगर काफी महीनों से रखी हुए मैट लिपस्टिक सुख गई हो तो इनके ऊपर हल्का सा ब्लो ड्रायर चलाएं और फिर लिपस्टिक लगाए तो आसानी से लग जाएगी।

4 जिस तरह से ग्लॉसी या शीयर लिपस्टिक लगाने के बाद आप होंठों को आपस में रगड़ती हैं जिससे की वो अच्छे से सेट हो जाए, तो ऐसा मैट लिपस्टिक लगाते वक्त करने की जरूरत नहीं होती। मैट लिपस्टिक ड्राय होती है जो होंठों को रगड़ने से खराब हो सकती है।

5 मैट लिपस्टिक के दो कोट होंठों पर लगाने से मैट लुक घंटो तक बना रहता है। पहला कोट लगाने के बाद एक टिश्यू पेपर लें और इसे होठों पर रखकर हल्का दबाएं। इसके बाद फिर से लिपस्टिक का एक कोट लगाएं।

6 मैट लिपस्टिक को होंठों पर लंबे समय तक बनाए रखने के लिए लिप लाइनर भी जरूर लगाएं।

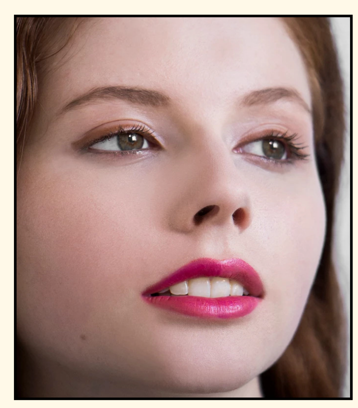

कन्याकुमारी, जहां मिलते हैं अरब सागर और बंगाल की खाड़ी

भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित पवित्र स्थान कन्याकुमारी के बारे में कहा जाता है कि स्वामी विवेकानंद जब ज्ञान की खोज में निकले थे तो यहीं पहुंच कर उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यहां अरब सागर और बंगाल की खाड़ी हिंद महासागर में आकर मिलते हैं। इसलिए यहां तीन अलग-अलग रंगों की रेत देखने को मिलती है। शहर की भीड़ से दूर तथा तनाव व शोरगुल से भी दूर यह स्थान बड़ा शांतिमय है। यहां यदि शोर है तो वह है सिर्फ समुद्री लहरों का, जोकि कानों में संगीत की तरह गूंजता है। कन्याकुमारी के सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य तो देखते ही बनते हैं। कन्याकुमारी का मंदिर कन्याकुमारी को ही अर्पित है। इस मंदिर को भारत के छोरों का रखवाला भी माना जाता है। इस मंदिर को मदुरै, रामेश्वरम और तिरूपति आदि मंदिरों की तरह ही पवित्र माना जाता है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां केवल हिन्दू ही जा सकते हैं। यह मंदिर प्रातः चार बजे से लेकर ग्यारह बजे तक तथा उसके बाद सायं 5.30 से लेकर 8.30 तक खुला रहता है। यहां विवेकानन्द जी का स्मारक भी है। यह समुद्र के बीच एक विशाल शिला पर स्थित है। इस शिला पर बैठ कर ही स्वामी विवेकानंद जी ने साधना की थी। स्मारक के कक्ष में विवेकानन्द जी की विशाल मूर्ति भी है। स्मारक स्थल से चारों और फैले विशाल समुद्र का दृश्य आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। कन्याकुमारी में महात्मा गांधी का स्मारक भी है। यहीं पर महात्मा गांधी का अस्थि कलश रखा गया था। यह स्मारक कन्याकुमारी मंदिर के ठीक पास ही बना हुआ है। पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र यह स्मारक अपनी अद्भुत कलाकृति के लिए भी जाना जाता है। कन्याकुमारी से लगभग 34 किलोमीटर दूर

यहां विवेकानन्द जी का स्मारक भी है। यह समुद्र के बीच एक विशाल शिला पर स्थित है। इस शिला पर बैठ कर ही स्वामी विवेकानंद जी ने साधना की थी। स्मारक के कक्ष में विवेकानन्द जी की विशाल मूर्ति भी है। स्मारक स्थल से चारों और फैले विशाल समुद्र का दृश्य आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। कन्याकुमारी में महात्मा गांधी का स्मारक भी है। यहीं पर महात्मा गांधी का अस्थि कलश रखा गया था। यह स्मारक कन्याकुमारी मंदिर के ठीक पास ही बना हुआ है।

स्थित उदयगिरि किला भी देखने योग्य है। इस किले को 18वीं शताब्दी में राजा मार्तंड वर्मा ने बनवाया था। इसके साथ ही आप गुगनंत स्वामी मंदिर भी देखने जा सकते हैं। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह करीब एक हजार साल पुराना मंदिर है। इस मंदिर को एक चोल राजा ने बनवाया था। कन्याकुमारी आए हैं तो सुचिंद्रम देखना नहीं भूलें। यह कन्याकुमारी से लगभग 13 किलोमीटर दूर स्थित है। 9वीं शताब्दी के शिलालेख इस मंदिर में पाए जाते हैं। यहां पर भगवान शिव, भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु की एक साथ पूजा की जाती है। यहां पर हनुमान जी की एक बड़ी मूर्ति है जो कि यहां की मूर्तिकला का जीता-जागता उदाहरण है। नागरकोयिल नागराज का अद्भुत मंदिर है। नागराज का मंदिर होते हुए भी इसमें भगवान शिव और भगवान विष्णु की मूर्तियां हैं। यहां का द्वार चीनी शिल्पकला में बनाया गया है। यहां आपको देखने को मिलेगा कि भक्तों को दिया गया प्रसाद जमीन से निकाला जाता है। यहां नागलिंग फूल भी पाया जाता है। यह मंदिर कन्याकुमारी से बीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए आपको आसानी से बसें मिल जाएंगी और यदि आप चाहें तो बंगलौर, चेन्नई, त्रिवेन्द्रम, मदुरै आदि जगहों से यहां रेल व सड़क मार्ग से भी आ सकते हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com